मूल्य 1 रु.
वर्ष: 14 - अंक : 66, मुंबई, बुधवार, 1 मई, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र दिवस एवं कामगार दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

महाराष्ट्र दिन

1 मई

DESI VILLAGE™
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

मुंबई में नाला सफाई में लापरवाही

31 ठेकेदारों पर गिरी गाज, 30.83 लाख का दंड

मुंबई। मानसून से पहले नाला सफाई का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। हालांकि जिन ठेकेदारों को सफाई का काम दिया गया है, उनमें से कुछ ने लापरवाही बरती है। बीएमसी प्रशासन ने ऐसे 31 ठेकेदारों पर दंडात्मक कार्रवाई की है और उन पर 30 लाख 83 हजार रुपए का जुर्माना ठोका है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मोदी बोले- कांग्रेस वाले मुसलमानों को रातोंरात ओबीसी बनाते हैं

जब तक मैं जिंदा हूं...

मुसलमानों को आरक्षण नहीं दूंगा

एक रैली में हाथ में संविधान लिए राहुल गांधी बोले थे, यह संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है। यह इस देश में गरीबों को अधिकार देता है। यह गरीबों की रक्षा करता है, उन्हें संरक्षण देता है, उनके भविष्य की देखभाल करता है और देश में उनके जीने के तरीके की रक्षा करता है। बीजेपी चाहती है कि इसे फाड़कर फेंक दिया जाए

मुंबई हलचल / संवाददाता

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान से पहले मुस्लिम आरक्षण का बड़ा मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि उनके होते मुसलमानों को किसी हाल में धर्म आधारित आरक्षण नहीं मिलेगा। कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को देती है। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के संगारेड्डी में मंगलवार को कांग्रेस पर तंज करते हुए कहा- कांग्रेस वाले मुसलमानों को रातों रात ओबीसी बना देते हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कोरोना वैक्सीन से हो सकता है Heart Attack

कंपनी ने कोर्ट में दिया कबूलनामा

जम सकते हैं खून के थक्के

ब्रिटिश हाईकोर्ट में दिए गए अपने अदालती दस्तावेजों में एस्ट्राजेनेका ने पहली बार माना है कि उसकी कोविड-19 वैक्सीन से थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) जैसे दुर्लभ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं

भारत में करीब 80% डोज कोविशील्ड के लगे

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। ब्रिटिश फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने पहली बार स्वीकार किया है कि कुल मामलों में उसकी कोविड-19 वैक्सीन से गंभीर साइड इफेक्ट हो सकते हैं। ब्रिटिश हाईकोर्ट में दिए गए अपने अदालती दस्तावेजों में एस्ट्राजेनेका ने पहली बार माना है कि उसकी कोविड-19 वैक्सीन से थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) जैसे दुर्लभ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को कई देशों में कोविशील्ड और वैक्सजेवरिया ब्रांड नामों के तहत बेचा गया था। दो बच्चों के पिता जेमी स्कॉट ने पिछले साल कंपनी के खिलाफ मुकदमा दायर किया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अग्नि-परीक्षा का वक्त

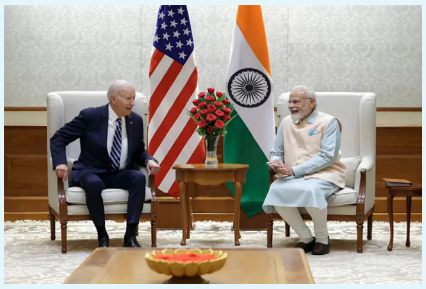

निज्जर हत्याकांड और पन्नू की हत्या की कोशिश का मामला सामने आने के साथ कनाडा और अमेरिका के साथ संबंध दबाव में आ गए। अब पन्नू मामला ठोस मुकाम पर पहुंचता दिख रहा है। यहां से द्विपक्षीय रिश्तों को संभालना एक बड़ी चुनौती है।

भारत-अमेरिका संबंध की अग्नि-परीक्षा का वक्त संभवतः आ गया है। अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने खबर ब्रेक की है कि खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामले में अमेरिकी जांच एक ठोस नतीजे पर पहुंच गई है। इसके मुताबिक भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के अधिकारी विक्रम यादव ने पन्नू की हत्या की (नाकाम) कोशिश का संचालन किया था। इस रिपोर्ट के मुताबिक यादव ने ही चेक रिपब्लिक में गिरफ्तार व्यापारी निखिल गुप्ता को पन्नू की हत्या की सुपारी थी। अखबार के अनुसार इस कार्रवाई को सीधे रॉ के तत्कालीन प्रमुख सुमंत गोयल ने हरी झंडी दी थी। अखबार ने अपने सूत्रों के हवाले से कहा है कि इस पूरी कार्रवाई की जानकारी संभवतः भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल को भी थी। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक विक्रम यादव संभवतः सीआरपीएफ के अधिकारी हैं, जो रॉ में डेपुटेशन पर थे। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक अमेरिका सरकार के अंदर फिलहाल इसको लेकर बहस चल रही है कि वहां मुकदमा सिर्फ निखिल गुप्ता पर ही चले या उसमें यादव का नाम भी शामिल किया जाए। यादव को शामिल करने के दूरगामी परिणाम होंगे। उसका मतलब सीधे भारत सरकार को इस मामले में खींचना होगा। अखबार के मुताबिक अमेरिकी न्याय विभाग रॉ को मामले में घसीटना चाहता है, लेकिन कूटनीति से संबंधित अधिकारी भारत-अमेरिका संबंध का ख्याल करते हुए कार्रवाई को गुप्ता तक सीमित रखना चाहते हैं। बहरहाल, यह तो साफ है कि यह मामला पहले ही ना सिर्फ भारत-अमेरिका संबंध, बल्कि कई पश्चिमी देशों के रिश्तों से प्रभावित कर चुका है। खुद पोस्ट की रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि विदेशों में हत्या कराने के विवाद में कई देशों में रॉ के अधिकारियों को गिरफ्तारी, देश-निकाला और फटकार का सामना करना पड़ा है। गौरतलब है कि पिछले साल जी-20 शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद ये मामला उठ खड़ा हुआ था। उसके बाद पहले कनाडा और फिर अमेरिका के साथ संबंध दबाव में आ गए। अब यह मामला एक ठोस मुकाम पर पहुंचता दिख रहा है। यहां से अपने रिश्तों को संभालना दोनों देशों के सामने एक बड़ी चुनौती है।

भाजपा प्रोपेगेंडा में, कांग्रेस आई तो यह होगा...

मुंबई हलचल/संवाददाता

एक बात शुरू में ही साफ कर देना जरूरी है कि न तो यह सवाल हमारा है और न इसका जवाब हमारा है। सवाल भाजपा का है और जवाब भी भाजपा का ही है। इसमें कांग्रेस का कुछ भी नहीं है। कांग्रेस तो दूसरी बातें कह रही है। उसने न्याय पत्र के नाम से अपना घोषणापत्र बनाया है और उसके नेता भाषणों में भी कई चीजों के वादे और दावे कर रहे हैं। लेकिन भाजपा उनके बारे में बात नहीं कर रही है। भाजपा ऐसी बातें कर रही हैं, जिनका जिक्र सारे फसाने में नही है। यहां वही बातें लिखी जा रही हैं, जो भाजपा कह रही है।

अभी तक भाजपा यह नहीं मान रही थी कि कांग्रेस सत्ता में भी आ सकती है। लेकिन अब वह न सिर्फ यह मान रही है, बल्कि देश के लोगों को यह भी बता रही है कि कांग्रेस सत्ता में आई तो क्या क्या करेगी। यह बहुत दिलचस्प इसलिए है क्योंकि इससे पहले इतने सुनियोजित तरीके से किसी सत्तारूढ़ दल ने मुख्य विपक्षी दल के बारे में मतदाताओं को इतना नहीं डराया था और यह नहीं बताया था कि अगर वह सत्ता में आ गई तो कयामत आ जाएगी। सो, भाजपा के मुताबिक कांग्रेस सत्ता में आकर जो कुछ करने वाली है उसकी एक सूची है, जो इस प्रकार है- पहला, कांग्रेस सरकार में आई तो वह हिंदुओं की संपत्ति छीन कर मुसलमानों में बांट देगी। सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 अप्रैल को राजस्थान के बांसवाड़ा की सभा में कहा कि कांग्रेस की नजर स्त्रियों के मंगलसूत्र पर है। वह सत्ता में आई तो संपत्ति छीन कर ह्यज्यादा बच्चे वालोंह्न और ह्यघुसपैठियोंह्न को बांट देगी। बाद में उन्होंने पश्चिम बंगाल के माल्दा में कहा कि संपत्ति छीन कर ह्यअपने वोट बैंकह्न में बांट देगी। यह समुदायों की पहचान कराने का प्रधानमंत्री का अपना तरीका है। हालांकि बाद में उनकी पार्टी के नेताओं ने इस पर पड़ा झीना सा परदा हटा दिया। सूचना व प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने खुल कर कहा कि कांग्रेस सत्ता में आई तो संपत्ति छीन कर मुसलमानों में बांट देगी।

प्रधानमंत्री और अन्य नेता कांग्रेस के इस कथित एजेंडे पर बहुत विस्तार में गए। कहा गया कि अगर लोगों के पास दो घर हैं तो एक घर ले लिया जाएगा। महिलाओं ने पैसे बचा कर ज्वार, बाजरे के डब्बों में रखा है तो वहां भी राहुल गांधी का एक्सरे पहुंचेगा और वह पैसा भी कांग्रेस छीन लेगी। स्त्री धन और मंगलसूत्र भी कांग्रेस छीन लेगी। यह दावा इस आधार पर किया जा रहा है कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में संपत्ति के पुनर्वितरण का वादा किया है। हालांकि कांग्रेस के नेता जी जान से सफाई देने में जुटे हैं और लोगों को समझा रहे हैं कि इतने लंबे समय तक कांग्रेस ने शासन किया और ऐसा नहीं किया है तो अब क्यों करेगी। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी समझा रहे हैं कि अब कांग्रेस माओवादियों और कम्युनिस्टों के असर में आ गई है।

दूसरा, कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। भारतीय जीवन बीमा निगम के इस स्लोगन का इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह बताने के लिए किया है कि कांग्रेस सत्ता में आएगी तो विरासत टैक्स लगाएगी। यह बात इस आधार पर कही गई कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने एक इंटरव्यू में अमेरिका की तरह भारत में भी विरासत टैक्स पर विचार करने की बात कही। इस पर प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी के नेताओं ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आई तो मेहनत से कमाई गई संपत्ति पर विरासत टैक्स लगा देगी। लोग संपत्ति अपने बच्चों को नहीं दे पाएंगे वह सरकार ले लेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोचें, अगर ऐसा हो गया तो कौन 24 घंटे मेहनत करेगा, पूंजी लगाएगे और संपत्ति इकट्ठा करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राजीव गांधी ने विरासत टैक्स इसलिए हटाया था क्योंकि उनको इंदिरा गांधी की संपत्ति लेनी थी। अब कांग्रेस उसी कानून को ज्यादा कड़े रूप में लाने जा रही है। कांग्रेस नेता इस पर भी सफाई दे रहे हैं लेकिन सैम पित्रोदा के इंटरव्यू ने भाजपा को मौका दे दिया है।

तीसरा, कांग्रेस सत्ता में आएगी तो जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 बहाल कर देगी। यह बात भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कही है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस का एजेंडा अनुच्छेद 370 बहाल करने का है। हालांकि कांग्रेस ने यह बात न तो अपने घोषणापत्र में कही है और न उसके किसी नेता ने ऐसा बयान दिया है। यह भी हकीकत है कि अगस्त 2019 में केंद्र सरकार ने जब अनुच्छेद 370 हटाया तब उसके इक्का दुक्का नेताओं को छोड़ कर पार्टी ने आधिकारिक रूप से इसका विरोध नहीं किया।

चौथा, प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि कांग्रेस सत्ता में आएगी तो भारत विरोधी ताकतों से हाथ मिला लेगी। कांग्रेस ऐसा कैसे करेगी यह उन्होंने विस्तार से नहीं बताया लेकिन सबको पता है कि पिछले 10 साल से प्रचार के जरिए कांग्रेस को देश विरोधी ठहराने की मुहिम चल रही है और आबादी का एक हिस्सा इसे सही मान कर इस पर यकीन भी करता है। राहुल की विदेश यात्राओं को अक्सर इस नैरेटिव से जोड़ा जाता है। अमित शाह ने भी कांग्रेस को देश विरोधी बताते हुए कहा कि कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस कश्मीर को भारत से अलग करना चाहते हैं। पांचवां, प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे दिलचस्प दावा यह किया कि अगर कांग्रेस और उसके नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता में आता है तो हर साल एक नया प्रधानमंत्री बनेगा। प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में बने एक कथित फॉर्मूले का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह कर्नाटक में ढाई ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बनने का फॉर्मूला तय हुआ है उसी तरह केंद्र में एक एक साल के लिए पांच प्रधानमंत्री बनेंगे। प्रधानमंत्री कह रहे हैं तो हो सकता है कि उनको इस बारे में कोई जानकारी हो। बाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे और विस्तार दिया। उन्होंने बिहार की एक सभा में कहा कि विपक्ष की सरकार बनी तो शरद पवार प्रधानमंत्री बनेंगे, फिर लालू प्रसाद बनेंगे, उसके बाद स्टालिन बनेंगे, फिर कोई और बनेगा और थोड़ा समय बचेगा तो राहुल गांधी भी प्रधानमंत्री बन सकते हैं। गौरतलब है कि लालू प्रसाद चारा घोटाले में सजायाफ्ता हैं और चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। फिर भी गृह मंत्री ने कहा कि लालू प्रसाद प्रधानमंत्री बन सकते हैं! असल में वे बिहार के लोगों को लालू प्रसाद का भय दिखा रहे थे। भाजपा एक रणनीति के तहत लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के राज की याद दिला रही है। छठा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पूरी पार्टी दावा कर रही है कि कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीन लेगी। कहा जा रहा है कि अनुसूचित जाति, जनजातियों और पिछड़ी जातियों का आरक्षण छीन कर कांग्रेस मुसलमानों को दे देगी। प्रधानमंत्री ने कहा है कि वे अपनी 56 इंच की छाती लेकर कांग्रेस के सामने खड़े हैं। वे किसी कीमत पर ऐसा नहीं होने देंगे। भाजपा की ओर से बताया गया कि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो उसने मुसलमानों को आरक्षण दिया था। इसलिए अगर केंद्र में उसकी सरकार बनती है तो वह दलित, आदिवासी और पिछड़ों का आरक्षण छीन कर मुसलमानों को देगी।

सातवां, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि कांग्रेस की नजर देश के मठों और मंदिरों पर है। अगर वह सत्ता में आती है तो मठों और मंदिरों की संपत्ति छीन लेगी। यह हिंदू मुस्लिम राजनीति का एक रूपक है। इसी तरह के एक रूपक का इस्तेमाल प्रधानमंत्री ने किया, जब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश के राजा, महाराजाओं की आलोचना करते हैं लेकिन नवाबों, सुल्तानों के लिए कुछ नहीं कहते हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ भाजपा इस बार चुनाव में मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस का भय दिखा रही है। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां भी भाजपा के तीसरी बार सत्ता में आने का भय दिखा रही हैं। इस पर कल चर्चा करेंगे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

तंदूरी चिकन के पैसों को लेकर विवाद

सीएम ऑफिस में तैनात सिपाही का मर्डर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां के मुलुंड इलाके में तंदूरी चिकन के पैसे को लेकर एक युवक की हत्या कर दी गई। वारदात में एक युवक घायल हुआ है। पुलिस ने घटना में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक युवक की पहचान अक्षय नार्वेकर के रूप में हुई है। वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत था। युवक की हत्या महज 200 रुपए के विवाद में हुई है। पुलिस को घटना की जानकारी तब हुई जब स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी दी। पुलिस को सूचना मिली कि दो युवक अक्षय और उसका दोस्त आकाश साबले खून से लथपथ पड़े हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों को ज्यूपिटर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने अक्षय को मृत घोषित कर दिया जबकि आकाश की हालत अभी भी गंभीर है

और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, अक्षय और उसका दोस्त आकाश रविवार दोपहर को तंदूरी चिकन खरीदने के लिए ठाणे के किसान नगर इलाके में एक रेस्तरां में गए थे। तन्दूरी चिकन लेने के बाद रेस्टोरेंट के कैशियर ने उन्हें 200 रुपये का बिल दिया। उनके पास कैश पेमेंट नहीं था। उन्होंने बिल भुगतान के लिए डेबिट/क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने को कहा। दुकान पर स्वाइप करने की मशीन नहीं थी इसलिए कैशियर ने उन्हें नकद भुगतान करने के लिए ही कहा। इस बात पर दोनों के बीच बहस हो गई।

लोहे की रोड़ और चाकू से किया हमला

बाद में अक्षय ने गूगल पे के जरिए 200 रुपये का भुगतान कर दिया। लेकिन कैशियर ने खाते में पेमेंट न आने की बात कही। इस बात पर फिर से दोनों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान अक्षय और उसके दोस्त ने रेस्तरां बंद करने की धमकी दे डाली। तभी दुकानदार के 3-4 साथी वहां आ गए। बहस बढ़ने पर आरोपियों ने उन पर लोहे की छड़े और चाकू से हमला कर दिया। हमले में दोनों बुरी तरह घायल हो गए।मुलुंड पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ हत्या, साजिश और हत्या के प्रयास की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पृथ्वी शॉ को समन, सपना गिल ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। यहां की एक सत्र अदालत ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर सपना गिल की अर्जी पर मंगलवार को क्रिकेट खिलाड़ी पृथ्वी शॉ को समन जारी किया। गिल ने क्रिकेटर के खिलाफ की गई उनकी शिकायत पर मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को चुनौती दी हैं। अंधेरी की एक मेट्रोपॉलिटन अदालत ने इस महीने की शुरूआत में गिल की याचिका पर पुलिस जांच का आदेश दिया था। गिल ने एक पब में उनके साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के मामले में शॉ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया था। हालांकि, मेट्रोपॉलिटन अदालत ने गिल की एक अन्य अर्जी खारिज कर दी जिसमें उन्होंने शॉ और उनके मित्र के खिलाफ उनकी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज करने में असफल पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। मेट्रोपॉलिटन अदालत के दो फैसलों से अंसतुष्ट गिल ने मलाड की सत्र अदालत के समक्ष पुनर्विचार अर्जी दाखिल की है। अ

सादीक अख्तर बने भातकुली जि.प. उर्दु शाळा व्यवस्थापण समिती के अध्यक्ष

मुंबई हलचल/संवाददाता

अमरावती। भातकुली जिल्हा परिषद उर्दु शाळा व्यवस्थापण समिती का कार्यकाल खत्म हो चुका था। इसलिए नए से शाळा व्यवस्थापण समिती का पुनर्गठण 2024 से 2026 के लिए किया गया। जिसमे 12 सदस्य चुनकर आए। चुनकर आए हुए पालको के जरिये अध्यक्ष पद के लिए सर्व सहमती से चिठ्ठी उठाकर निवड कि गई। जिसमे मोहम्मद सादीक अख्तर अब्दुल रशिद पालक वर्ग 2 री इनकी ईश्वर चिठ्ठी से अध्यक्ष पद के लिए नियुक्ती कि गई। मोहम्मद सादीक अख्तर अब्दुल रशिद यह दैनिक बुलंद दुनिया के एडिटर जफरसिद्दीकी इनके छोटे भाई है। मो. सादीक अख्तर मनमिळावू स्वभाव होने के कारण सभी तरफ से उन्हे शाळा व्यवस्थापण समिती का अध्यक्ष पद पर नियुक्ती होने पर मुबारक बाद दि जा रही है। सादीक अख्तर की शाळा व्यवस्थापण समिती का अध्यक्ष पद पर नियुक्ती होने पर उर्दु स्कूल के मुख्याद्यापक उच्च श्रेणी रज्जब शाह रहेमान शाह और टिचर्स ,मोहम्मद आदिल शेख करीम ,(वि.शि.),मोहम्मद साजिद मोहम्मद सादिक (स.शि.), शाईस्ता परवीन मोहम्मद जमील (स.शि.), 5/शबाना यास्मिन रियासत अली(स.शि.), ताहेर नूर तालिब नूर (स.शि.), एंव सभी शाळा व्यवस्थापण समिती के नए सदस्य

शबाना परवीन शेख अकिल, नसिरुद्दीन शाह इस्माईल शाह, रुबीना परवीन जफरखान, आयेशा परविन वसीमशाह, तमीजखान, सुलतानाबी नजरखान, अब्दुल हफील अब्दुल रफीक, कमरुन्निसा मुख्तारअली, शेख शहेजाद, यास्मीन परविन अ. शकील, शेख सलीम शेख रसुल इन सभी सदस्यो ने और गांव के प्रतिष्ठीत नागरिक समाजसेवको में डॉ. रमेश बोरा, नगरसेवक शेख सद्दाम, खलीलखान,माजी नगरसेवक छोटूभाई, अब्दुल शफीक अब्दुल शरीफ, शाळा व्यवस्थापण समिती के माजी अध्यक्ष शेख नाजीम, माजी उपसरपंच सादीक पहेलवान, पत्रकार जफरसिद्दीकी, फैमुदखान, अब्दुल हफीज पटेल, मो. सलीम शेख निजाम, अब्दुल कलाम, हसनशाह, गफुरभाई, हफीजखान, वसिमखान, मो. इकबाल, बदरु पहेलवान, मो. अनिस, अब्दुल राजिक, मो. सगीर, मो. मुख्तार, मो. सगीर, नरेंद्र ठाकुर, मयुर देशमुख, साथ ही, भातकुली शहर के राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, खेल, उद्योग, प्रशासन, पत्रकारिता, सहकारिता, महिला स्वयं सहायता समूहों आदि क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ-साथ भातकुली और ग्रामिण इलाको के सभी गणमान्य लोगो ने और दोस्त मित्र ने मो. सादीक अख्तर को शाळा व्यवस्थापण समिती का अध्यक्ष पद पर नियुक्ती होने पर मुबारक बाद दी। किसी ने सोशल मीडिया पर किसी ने फेसबुक पर तो किसी ने इंस्टाग्राम , ट्विटर से तो किसी ने फोन पर शुभकामनाए दी, सादीक अख्तर ने सभी से बातचीत कर बधाई को स्वीकार किया। और मुबारक बाद देने पर सभी का धन्यवाद किया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

'जब तक मैं जिंदा हूं, मुसलमानों को आरक्षण नहीं दूंगा'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- हमारे तेलंगाना में जो लिंगायत, मराठा समाज के लोग हैं, उसमें 26 जातियां ऐसी हैं जो ओबीसी में जाने की मांग कर रही हैं। लंबे समय से इस पर चर्चा चल रही है। कांग्रेस वालों को मराठा, लिंगायत, इन 26 जातियों को ओबीसी बनाना मंजूर नहीं है। मोदी ने आगे कहा- जब तक मैं जिंदा हूं, एससी, एसटी और ओबीसी की कीमत पर धर्म के आधार पर मुसलमानों को आरक्षण नहीं देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को महाराष्ट्र और तेलंगाना में कई रैलियां कीं। तेलंगाना के संगारेड्डी से पहले उन्होंने महाराष्ट्र के धाराशिव, माढा और लातूर में सभाएं कीं। धाराशिव में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- जो विरोधी भाजपा सरकार का मुकाबला नहीं कर पा रहे, वे सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो चलाकर तकनीक का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। अब उनकी हालत ऐसी है कि जब उनका झूठ काम नहीं कर रहा तो वे मेरे चेहरे का इस्तेमाल कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से अपनी मोहब्बत की दुकान में फेक वीडियो बेच रहे हैं। झूठ की यह दुकान बंद होनी चाहिए। महाराष्ट्र के माढा में कांग्रेस पर हमला करते हुए मोदी ने कहा- कांग्रेस का पंजा जनता का पैसा लूटता था। जिसके पास चार सौ सांसद थे, अब वो ढाई सौ लोगों को चुनाव भी नहीं लड़वा पा रही है। आपको कांग्रेस के एक्सरे से सावधान रहना है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा- कांग्रेस के शहजादे गली गली घूमकर कह रहे हैं कि उनको मौका मिलेगा तो वो आपका एक्सरे निकालेंगे। आपके घर में पड़े सोने और संपत्ति का ये हिसाब लगाएंगे। इसके बाद इसे बांट देंगे। कांग्रेस वाले विरासत टैक्स की भी बात कर रहे हैं। कांग्रेस कहती है कि जो आप बचत करते हैं उस पर सरकार का भी हक होगा। ये मार्क्सवादियों और नक्सलवादियों की विचारधारा है।

कोरोना वैक्सीन से हो सकता है हार्ट अटैक

वैक्सीन लेने के बाद उनके ब्रेन में खून के थक्के जम गए थे, जिससे वह काम करने में असमर्थ हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्रिटेन की हाई कोर्ट में ऐसे 51 मामले दर्ज हैं, जिनमें पीड़ितों और तीमारदारों ने 10 करोड़ पाउंड तक के क्षतिपूर्ति मुआवजे की मांग की है। एस्ट्राजेनेका ने इस वैक्सीन को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर तैयार किया था। भारत में इस वैक्सीन को कोविशील्ड के नाम से जानते हैं, जिसका उत्पादन देश में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने किया था। सीरम इंस्टीट्यूट दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन निमार्ता कंपनी है। भारत में करीब 80% वैक्सीन डोज कोविशील्ड की ही लगाई गई है। थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम के कारण इंसान के शरीर और मस्तिष्क में खून के थक्के जम सकते हैं। बॉडी में ब्लड क्लॉट बनने के चलते व्यक्ति को ब्रेन स्ट्रोक, कार्डियक अरेस्ट होने की आशंकाएं बढ़ जाती है। इसके अलावा इस सिंड्रोम से ब्लड में प्लेटलेट्स कम होने का भी खतरा रहता है। जब एस्ट्राजेनेका की कोविड-19 वैक्सीन लगनी शुरू हुई थी, तब भी इसके साइड इफेक्ट्स को लेकर विवाद हुआ था। हालांकि तब कंपनी ने कहा था कि ट्रायल के दौरान वैक्सीन के कोई गंभीर साइड इफेक्ट्स देखने को नहीं मिले। कहा गया था कि वैक्सीन लगने के बाद थकान, गले में दर्द और हल्का बुखार जैसे लक्षण दिखे, लेकिन किसी की मौत या गंभीर बीमारी का मामला सामने नहीं आया।

मुंबई में नाला सफाई में लापरवाही

भारी बारिश के दौरान जल जमाव न हो इसलिए महानगर के छोटे-बड़े नालों से कचरा निकाला जा रहा है। नालों की सफाई होने से बारिश के पानी की तेजी से निकासी होने में मदद मिलती है। इस साल मानसून से पहले कुल 10 लाख 21 हजार 782 मीट्रिक टन कचरा निकालने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें से 6 लाख 23 हजार 631 मीट्रिक टन यानी 61.03 प्रतिशत कचरा निकाला जा चुका है। 15 मार्च 2024 से 29 अप्रैल 2024 तक की अवधि में नाला सफाई कार्य में 31 स्थानों पर लापरवाही और त्रुटियां सामने आई हैं। बीएमसी ने लापरवाह ठेकेदारों के खिलाफ दंडात्मक करते उनसे कुल 33 लाख 83 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया है। बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को सफाई कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। जिन ठेकेदारों पर दंडात्मक कार्रवाई की गई है, उनमें मुंबई शहर के 12 ठेकेदार (19 लाख 75 हजार रुपए), पूर्वी उपनगर के 10 ठेकेदार (7 लाख 20 हजार रुपए) और पश्चिमी उपनगर के 9 ठेकेदारों (3 लाख 88 हजार रुपए) का समावेश है। काम में गड़बड़ी के हिसाब से जुमार्ना राशि तय की जाती है। जुमार्ने की राशि ठेकेदारों की देय राशि से काटी जाएगी। बीते शनिवार को निरीक्षण के दौरान गोवंडी में डंपिंग कैनाल से कचरा हटाने का काम शुरू नहीं करने पर ठेकेदार डीबी इंफ्रास्ट्रक्चर पर 1 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया गया है।

भारत की सोने की मांग जनवरी-मार्च में उच्च कीमत के बावजूद आठ प्रतिशत बढ़ी

जनवरी-मार्च तिमाही में बढ़कर 136.6 टन हो गई

मुंबई हलचल / मुंबई

भारत में सोने को लेकर प्यार जगजाहिर है। भारत की सोने की मांग और इंटरनेशनल कारणों से सोने की कीमत देश में 75,000 रुपए ऐतिहासिक लेवल को भी पार कर गई। हालांकि, उसके बाद 10 ग्राम सोने की कीमतों में करेक्शन आ रहा है। सोने के अपने उच्चतम स्तर पर रहने के बावजूद सोने की खरीदारी देश में कमी नहीं आई है। सोने का डेटा इसी तरफ इशारा कर रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के डेटा के मुताबिक गोल्ड की कीमतों के ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचने के बावजूद मजबूत आर्थिक माहौल के दम पर जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 136.6 टन हो गई है।

सोने की कीमत पहुंची पीक पर

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सोने की खरीद से भी मांग में बढ़ोतरी हुई है। इस साल जनवरी-मार्च में भारत में सोने की मांग सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 75,470 करोड़ रुपए हो गई। इसका कारण क्वाटिटी में बढ़ोतरी के साथ-साथ तिमाही औसत कीमतों में 11 प्रतिशत की बढोतरी भी है।

बढ़ी गोल्ड की डिमांड

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) ने सालना रिपोर्ट 'गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स क्यू1 2024' जारी की। इसके अनुसार भारत की कुल सोने की मांग, जिसमें गहने तथा निवेश दोनों शामिल हैं, इस साल जनवरी-मार्च में बढ़कर 136.6 टन हो गई। पिछले साल सामान पीरियड में ये डिमांड 126.3 टन थी। भारत में सोने की कुल मांग में से गहनों की मांग चार प्रतिशत बढ़कर 95.5 टन हो गई। कुल निवेश मांग (बार, क्वाइन आदि) 19 प्रतिशत बढ़कर 41.1 टन हो गई।

गोल्ड में तेजी के बाद भी नहीं कम हुई डिमांड

डब्ल्यूजीसी के भारत में रीजनल सीईओ सचिन जैन ने कहा कि सोने की मांग में बढोतरी भारतीयों के सोने के साथ रिश्ते की गहराई के बारे में बताता है। भारत में मार्च में गोल्ड की कीमतें अपनी ऐतिहासक ऊंचाई पर पहुंच चुकी है लेकिन इसके बावजूद सोने की सेल में कमी नहीं आई है। जैन को उम्मीद है कि इस साल भारत में सोने की मांग 700-800 टन के आसपास रहेगी। उन्होंने कहा कि अगर कीमतों में तेजी जारी रहती है तो मांग इस सीमा के निचले स्तर पर हो सकती है। 2023 में देश में सोने की मांग 747.5 टन थी।

नवनियुक्त भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा

मेरा प्रयास नौसेना को मजबूत, आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से 'ज्यादा उन्नत' बनाना

एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय नौसेना को समुद्री क्षेत्र में उभरती चुनौतियों के मद्देनजर संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय तैयार है।

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा है कि मेरा प्रयास भारतीय नौसेना को आत्मनिर्भर, मजबूत और तकनीकी रूप से ज्यादा उन्नत बनाने का रहेगा। मैं नई स्वदेशी तकनीकों को पेश करने और विकसित भारत के लिए 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में भारतीय नौसेना के चल रहे प्रयासों को और भी मजबूत करूंगा। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना का छब्बीसवां नौसेना अध्यक्ष बनने पर मुझे अत्यंत गर्व और सम्मान की अनुभूति हो रही है। मुझसे पहले पच्चीस नौसेना अध्यक्षों ने अपनी कर्मठता और समर्पण से हमारी नौसेना को युद्ध तत्पर, विश्वसनीय, सुगठित और भविष्य की ताकत बनाई है। त्रिपाठी ने आर हरि कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है।

सेवानिवृत्त एडमिरल आर हरि कुमार (बाएं) से चार्ज लेने के बाद एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी (दाएं)

नई प्रौद्योगिकियों को करेंगे पेश

नौसेना प्रमुख ने कहा कि वे आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए जारी प्रयासों को बढ़ाने को वह प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि नई प्रौद्योगिकियों को पेश करने में और 'विकसित भारत' की दिशा में राष्ट्रीय विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनने में भारतीय नौसेना के चल रहे प्रयासों को मजबूत करूंगा।

- *नौसेना हरदम 'राष्ट्र प्रथम' के मंत्र का पालन करते हुए खड़ी*
- *विकसित भारत के लिए चल रहे प्रयासों को मजबूत करेंगे*

नौसेना को राष्ट्रीय विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाएंगे

नौसेना समुद्री हित और रक्षा पर खरा उतरेगी

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि मेरा प्रयास भारतीय नौसेना को आत्मनिर्भर, मजबूत और तकनीकी रूप से उन्नत सेवा बनाने का रहेगा। मेरी पूरी कोशिश रहेगी कि भारतीय नौसेना कभी भी, कहीं भी, कैसे भी हमारे देश के समुद्री हित और समुद्री रक्षा दोनों पर हरदम खरी उतरे। उन्होंने आश्वस्त किया कि आपकी नौसेना हरदम 'राष्ट्र प्रथम' के मंत्र का पालन करते हुए आपके साथ खड़ी है।

नौसेना हर समय तैयार रहे

त्रिपाठी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हमारी नौसेना युद्ध के लिए तैयार, एकजुट और विश्वसनीय के रूप में विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र में मौजूदा और उभरती चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय नौसेना को संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय तैयार रहना होगा।

मानव संसाधन का कौशल विकास करेंगे

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि मेरी प्राथमिकता हमारे मानव संसाधन का कौशल विकास करने की होगी जो हमारी नौसेना के पुरुष और महिला कर्मी हैं। मेरी प्राथमिकता उन्हें सर्वश्रेष्ठ शस्त्र, प्रशिक्षण, पेशेवर माहौल और प्रशासनिक समर्थन देने की होगी।

कई देशों में मोदी के समर्थन में हो रहे कार्यक्रम और हवन-जाप

भाजपा की जीत के लिए रैलियों के अलावा हनुमान चालीसा और मंत्रों का हो रहा जाप

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत में हो रहे लोकसभा चुनाव 2024 का खुमार विदेशी सरजमीं तक भी देखा जा रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी जैसे देशों में पीएम मोदी के समर्थन में कार्यक्रम हो रहे हैं। त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय उच्चायुक प्रदीप राजपुरोहित के मुख्य आतिथ्य में करीब 15 हजार प्रवासी भारतीयों ने हनुमान चालीसा का जाप किया। अमेरिका में पीएम मोदी और भाजपा की प्रचंड जीत की कामना करते हुए ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी, यूएसए के स्वयंसेवकों ने हवन का आयोजन किया। संगठन के अध्यक्ष अदापा प्रसाद और महासचिव वासुदेव पटेल ने नेतृत्व किया। न्यू जर्सी के शिव विष्णु मंदिर, साईं दत्त पीठम में आयोजित समारोह के दौरान प्रतिभागियों ने सुदर्शन मंत्र का जाप किया।

ब्रिटेन में ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी यूके के महासचिव सुरेश मंगलगिरी ने बताया कि लंदन में 'रन फॉर मोदी' कार्यक्रम आयोजित किया गया। फ्लैश मॉब कार्यक्रम वेस्टमिंस्टर पियर से शुरू हुआ और टॉवर ब्रिज पर खत्म हुआ। हाथ में भारत और भाजपा के झंडे लिए निकले लोगों ने लंदन की सड़कों पर भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयकारे लगाए। वहीं हर हर मोदी, घर घर मोदी, अबकी बार 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार के नारे लगाए। प्रवासी मित्र भाजपा जर्मनी के सह-संयोजक सुनील सिंह ने जर्मनी के बर्लिन में ब्रैडेनबर्ग टोर व म्यूनिख में प्रसिद्ध फुटबॉल एरेना में प्रवासी भारतीय एकजुट हुए और कार रैली आयोजित की।

- *त्रिनिदाद और टोबैगो में 15 हजार भारतीयों ने हनुमान चालीसा का जाप*
- *न्यू जर्सी अमेरिका में सुदर्शन मंत्र का जाप किया*
- *जर्मनी के बर्लिन में ब्रैडेनबर्ग टोर और म्यूनिख में निकाली कार रैली*

ब्रिटेन में 'रन फॉर मोदी' कार्यक्रम

लंदन में युवक ने तलवार से किया हमला

13 साल के लड़के की मौत 2 पुलिसकर्मी समेत 4 घायल

मुंबई हलचल / लंदन

ब्रिटेन की राजधानी लंदन के हैनॉल्ट इलाके के पास 36 साल के युवक ने लोगों पर तलवार से हमला कर दिया। हमले में 13 साल के एक लड़के की मौत हो गई है। 4 लोग घायल हुए हैं, इनमें 2 पुलिस अधिकारी शामिल है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। लिस ने बताया कि लोकल समय के मुताबिक सुबह 7:00 बजे पुलिस को थर्लो गॉर्डन इलाके में एक गाड़ी के घर में घुसने की सूचना मिली थी। शख्स ने कई लोगों पर हमला किया है।

सड़कों और स्टेशन को बंद किया

हैनॉल्टके डिप्टी असिस्टेंट कमिश्नर एड एडेल्कन ने कहा है कि घटना के कारण इलाके के कई लोग हैरान है। लोग हमले के बारे में जानना चाहते हैं। हम जल्द से जल्द लोगों को हमले की जानकारी देने की कोशिश करेंगे। हालांकि हमें नहीं लगता है कि हमला आतंकवाद से जुड़ा हुआ है। हमले के बाद पुलिस ने आसपास की सड़कों और हैनॉल्ट के ट्यूब स्टेशन को बंद कर दिया है। लंदन के मेयर सादिक खान ने कहा है कि उन्हें हमले की जानकारी से बेहद दुख हुआ।

पन्नू मामले पर विदेश मंत्रालय का पलटवार

इस गंभीर मामले में 'अवांछित और निराधार' आरोप लगाए गए

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिका अखबार की एक खबर में सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की कथित हत्या की साजिश में एक भारतीय अधिकारी का नाम लिए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को भारत ने कहा कि खबर में एक गंभीर मामले में 'अवांछित और निराधार' आरोप लगाए गए हैं। अखबार ने अज्ञात सूत्रों के हवाले से पन्नू की कथित हत्या की साजिश के संबंध में एक रॉ अधिकारी का नाम लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि रिपोर्ट में एक गंभीर मामले में अवांछित और निराधार आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने संगठित अपराधियों, आतंकवादियों तथा अन्य के नेटवर्क पर अमेरिकी सरकार द्वारा साझा की गई सुरक्षा चिंताओं की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित की है जिसकी जांच जारी है।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू आज रामलला के दर्शन करेंगी

अयोध्या। बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अयोध्या में परिवार सहित आएंगी। वह करीब चार घंटे अयोध्या में रहकर हनुमानगढ़ी और रामलला का दर्शन कर सरयू आरती में शामिल होंगी। राष्ट्रपति करीब चार बजे दोपहर महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उतरने के बाद कार से हनुमानगढ़ी पहुंचकर दर्शन करेंगी।

यादव बने दिल्ली कांग्रेस के नए अंतरिम अध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष रहे अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफे के बाद अब पार्टी ने बड़ा फैसला लिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देवेंद्र यादव को दिल्ली कांग्रेस का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया है। यादव पंजाब कांग्रेस कमेटी के प्रभारी भी हैं।

एक और खुदकुशी सुसाइड नोट मिला

कोटा। कोटा में एक और छात्र द्वारा सुसाइड करने का मामला सामने आया है। बीते दो दिनों में यह खुदकुशी की दूसरी घटना है। 5 मई को एग्जाम होने वाला है, उससे पहले दो स्टूडेंट मौत को गले लगा चुके हैं। एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें लिखा है कि 'सॉरी पापा, इस बार भी मेरा सलेक्शन नहीं हो पाएगा।

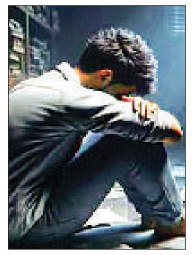

नशे में धुत महिला पर्यटकों की शर्मनाक हरकत, होटल चौकीदार को पीटा, हंगामा

नैनीताल। शहर के मालरोड में सोमवार देर रात शराब के नशे में धुत महिला पर्यटकों ने हंगामा कर दिया। होटल किराये में लेने पहुंचे पर्यटकों को रेट महंगे लगे तो उन्होंने होटल चौकीदार की ही पिटाई कर दी। हंगामा बढ़ने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच किसी तरह मामला शांत करवाया। जानकारी के मुताबिक सोमवार देर रात मालरोड स्थित एक होटल का नेपाली मूल का मामू नाम से चर्चित रात्रि चौकीदार होटल के आगे सड़क पर खड़ा था। तभी तीन युवक व तीन युवतियां कमरा लेने के लिए पहुंचे। चौकीदार से उन्होंने कमरे के रेट के बारे में पूछा। रेट बताते ही पर्यटक गालीगलौज पर उतर आए। इस बीच नशे में धुत महिला पर्यटकों ने चौकीदार की पिटाई कर दी। हंगामा बढ़ता देख राहगीरों व होटल कर्मचारियों ने पुलिस को इसकी सूचना दे

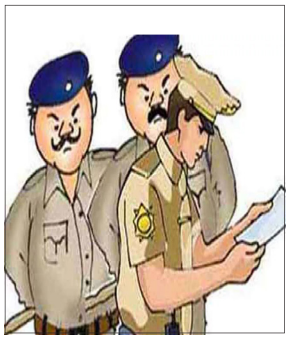

दी। सूचना पर पहुंची तल्लीताल पुलिस ने किसी तरह मामला शांत करवाया और पर्यटकों को डांठ स्थित चौकी लेकर गई। जहां पहुंच पर्यटक छोड़ देने की गुहार लगाने लगे। एसओ रमेश बोहरा ने बताया कि पर्यटकों को कड़ी फटकार लगाकर छोड़ दिया गया। नैनी झील की पारिस्थितिकी संतुलन को बनाये रखने के लिए छोड़ी गई मछलिया पर्यटकों के मनोरंजन का साधन बन चुकी हैं। झील किनारे पर्यटक बेरोकटोक ब्रेड परोस मछलियां पकड़ रहे लेकिन पालिका बेपरवाह है। जिससे झील की सेहत पर भी बुरा असर पड़ रहा है। झील की आंतरिक सफाई के लिए विभिन्न प्रजातियों की मछलियां छोड़ी गई है। जो कि काई व अन्य गंदगी खाकर झील का परिस्थितिक संतुलन बनाए रखती है। जिस कारण मछलियों को बाहरी खाद्य पदार्थ खिलाने पर प्रतिबंध है। प्रतिबंध के बावजूद पंत पार्क से ब्रेड खरीद पर्यटक मछलियों को परोस रहे है। मंगलवार को कई पर्यटक बोट हाउस क्लब के समीप ब्रेड परोसने के साथ ही मछलियां पकड़ते दिखे। नाव चालकों व राहगीरों के कई बार मना करने के बाद भी पर्यटक नहीं माने। वहीं मामले में ईओ राहुल आनंद ने बताया कि कर्मचारियों को देखरेख के लिए तैनात किया गया है।

कई हेक्टेयर जंगल खाक होने के बाद विभाग को हुआ अहसास

देहरादून। 'जब जागो तभी सवेरा।' वन विभाग पर यह कहावत सटीक बैठती है। लंबी प्रतीक्षा के बाद उसे अहसास हुआ है कि वन और जन के मध्य रिश्तों में कुछ खटास है, जिसे दूर करने की अब उसने ठानी है। इसी कड़ी में वनों को आग से बचाने के दृष्टिगत बेहतर कार्य करने वाली वनाग्नि प्रबंधन समितियों को पारितोषिक देने का निश्चय किया गया है। इस फायर सीजन के बाद ऐसी 39 समितियों को 22.75 लाख रुपये की धनराशि बतौर पुरस्कार प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही वन पंचायतों में औषधीय व सगंध पादपों की खेती को 625 करोड़ का प्रोजेक्ट को पहले ही हरी झंडी दी जा चुकी है। वृक्ष संरक्षण अधिनियम में भी संशोधन कर आमजन को राहत दी गई है। सरकार को उम्मीद है कि इन प्रयासों से वह वनों की सुरक्षा में आमजन का सक्रिय सहयोग हासिल कर सकेगी। एक दौर में 71.05 प्रतिशत

वन भूभाग वाले उत्तराखंड में वन और जन के मध्य मजबूत रिश्ता रहा है। यहां के लोग वनों से अपनी आवश्यकताएं पूरी करने के साथ ही इन्हें निरंतर पनपाते भी थे। वन अधिनियम 1980 के अस्तित्व में आने के बाद वन-जन के इस रिश्ते में दूरी बढ़ी। ऐसा नहीं है कि यहां के लोग वनों की सुरक्षा में सहयोग नहीं देते, लेकिन इसमें वर्ष 1980 से पहले जैसी बात नहीं हैं। इसके पीछे वनों के सरकारीकरण का भाव समाहित है। यही कारण भी है कि वनों की आग और तस्करों से सुरक्षा के मामले में जिस तरह का जनसहयोग मिलना चाहिए था, वह नहीं मिल पा रहा। लंबी प्रतीक्षा के बाद सरकार को इसका अहसास हुआ और पिछले वर्ष से उसने कुछ कदम उठाने प्रारंभ किए। इसी कड़ी में वृक्ष संरक्षण अधिनियम में संशोधन करते हुए केवल 15 वृक्ष प्रजातियों को ही प्रतिबंधित श्रेणी में रखा गया। पहले इनकी संख्या 27 थी।

खरीदी पिछले विपणन वर्ष की तुलना में अधिक है

गेहूं की सरकारी खरीद 11 प्रतिशत कम अब तक 196 लाख टन गेहूं खरीदा गया

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सरकार ने चालू विपणन वर्ष 2024-25 में अब तक 196 लाख टन से अधिक गेहूं खरीदा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम समेत सभी कल्याणकारी योजनाओं के लिए इसकी सालाना जरूरत 186 लाख टन है।

- कल्याणकारी योजनाओं के लिए 186 लाख टन की जरूरत

खाद्यान्न की खरीद और वितरण के लिए सरकार की नोडल एजेंसी भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) अब बफर स्टॉक बढ़ाने के लिए 2024-25 सत्र में 310-320 लाख टन गेहूं खरीद के अपने लक्ष्य को पूरा करने के प्रयास कर रही है। जरूरत पड़ने पर खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए खुले बाजार में हस्तक्षेप करने के लिए इस स्टॉक का इस्तेमाल किया जाएगा।

खास बातें

- एफसीआई बफर स्टॉक बढ़ाने अपने लक्ष्य को पूरा कर रही
- कीमतों को नियंत्रित करने खुले बाजार में स्टॉक का उपयोग होगा

अब तक 11 फीसदी कम खरीद : हालांकि रबी सत्र की प्रमुख फसल गेहूं की खरीद पिछले साल की समान अवधि के 219.5 लाख टन से अब तक 11 प्रतिशत कम हुई है। इसका मुख्य कारण मध्य प्रदेश और पंजाब में कम खरीद का होना है।

कुछ राज्यों में उम्मीद से अधिक पैदावार

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुमानों के मुताबिक, गेहूं का उत्पादन फसल वर्ष 2023-24 में 1,120.19 लाख टन होगा, जबकि पिछले वर्ष में यह 1,105.54 लाख टन था। कुछ राज्यों में उम्मीद से अधिक पैदावार होने पर उत्पादन लगभग 1,150 लाख (115 मिलियन) टन तक भी पहुंच सकता है।

2275 रुपए के एमएसपी पर गेहूं की खरीदी

सूत्रों के मुताबिक, एफसीआई ने विभिन्न राज्यों के करीब 16 लाख किसानों से 2,275 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 45,000 करोड़ रुपये का गेहूं खरीदा है। पंजाब और हरियाणा में इस समय गेहूं की फसल की आवक अच्छी है। एफसीआई को पंजाब से 130 लाख टन और हरियाणा से 70 लाख टन की खरीद की उम्मीद है।

मंडियों में फसल देर से आने की उम्मीद

सूत्रों ने कहा कि एफसीआई मई से पहले उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में खरीद अभियान तेज कर सकता है क्योंकि उसे यहां की मंडियों में फसलों के देर से आने की उम्मीद है। कीमतों को नियंत्रित करने के लिए जरूरत पड़ने पर खुला बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) लाने के लिए अतिरिक्त स्टॉक रखने के बारे में सोचा जा रहा है।

मप्र में खरीद चिंता का विषय

एक सरकारी अधिकारी ने कहा, ।"मध्य प्रदेश में खरीद चिंता का विषय है। लेकिन हमें उम्मीद है कि इसमें तेजी आएगी।।" मध्य प्रदेश में गेहूं खरीद कम होने के पीछे दाल की खेती को अपनाना, खेत पर ही कारोबारियों द्वारा खरीदारी और अच्छी राशि प्राप्ति के लिए अनाज अपने पास रखने जैसे कई कारक हो सकते हैं।

चावल के मामले में आरामदायक स्थिति

चावल के मामले में एफसीआई अधिकारी ने कहा कि स्थिति बहुत आरामदायक है। एफसीआई को सभी कल्याणकारी योजनाओं के लिए 400 लाख टन चावल की वार्षिक जरूरत के मुकाबले विपणन वर्ष (अक्टूबर-सितंबर) में 540 लाख टन की खरीद की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा, 'चावल के मामले में हमारे पास एक साल का अतिरिक्त स्टॉक है।'

गले में इंफेक्शन होने पर तुरंत करें ये देसी उपाय, नहीं पड़ेगी दवा की जरूरत

मौसम में आए बदलाव, सर्द-गर्म व गलत खान-पान की वजह से गले से जुड़ी इंफेक्शन होना आम सी बात है। कई बार इस इंफेक्शन का कारण एलर्जी व धूम्रपान भी हो सकते हैं। यह इंफेक्शन गले में चुंभन-सूजन, खराश, कर्कश भरी आवाज, हल्की खांसी के साथ दर्द व खाने की परेशानी भी दे सकती है। संक्रमण होने पर खराश की परेशानी सबसे पहले होती है जो बाद में आवाज का भारीपन व दर्द आदि की समस्या पैदा करती है। दरअसल, हमारे गले के दोनों तरफ टॉन्सिल्स होते हैं जो कीटाणुओं, बैक्टीरिया व वायरस से गले को बचाते हैं लेकिन जब ये टॉन्सिल्स खुद संक्रमित हो जाते हैं तो ऐसी दिक्कतें आनी शुरू हो जाती हैं जिसे टॉन्सिलाइटिस कहते है। वैसे तो एंटीबायोटिक व सहीं देखभाल से संक्रमण ठीक हो जाता है लेकिन सही देखभाल ना होने पर यह समस्या बढ़कर गंभीर रूप भी ले सकती है।

दवा के उपचार के साथ अगर आप कुछ परहेज करेंगे तो गले की इंफेक्शन में राहत जल्दी मिलेगी। वहीं, अगर आप मौसम के अनुसार अपना खान-पान सहीं रखेंगे तो इंफेक्शन से बचा भी जा सकता है और अगर इंफेक्शन के शिकार हो गए हैं तो सहीं टिप्स अपनाकर इससे राहत भी पाई जा सकती है।

इंफेक्शन होने पर अपनाएं नुस्खें

गले की खराश और आवाज का भारीपन, सर्दी-जुकाम होने का पहला लक्षण है इसलिए तुरंत टिप्स अपनाकर कोल्ड कफ की तकलीफ से बचा जा सकता है।

गर्म पानी के गरारे

खराश की परेशानी होते ही तुरंत गरारे करें। एक गिल्स गर्म पानी में 2 चुटकी नमक डालें और इस पानी से रोजाना दिन में 3 से 4 बार गरारे करें। खराश की समस्या ठीक होगी और इंफेक्शन भी यहीं खत्म हो जाएगा।

विटामिन सी

विटामिन सी इम्युन सिस्टम को स्ट्रांग करता है, जिससे इस तरह का इंफेक्शन जल्दी शरीर को नहीं जकड़ पाता। हवा में फैल संक्रमण फैलना व खान-पान में गड़बड़ी ही गला खराब होने की मुख्य वजहें हैं इसलिए प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखें। विटामिन सी खट्टे फलों में भरपूर होता है। संतरा इनमें से सबसे बेस्ट है। इस बात का ध्यान रखें कि संतरे का सेवन दोपहर के समय करें।

इमली

इमली में भी विटामिन सी भरपूर होता है। खराश होने पर इमली के पानी से कुल्ला करें। ध्यान रखें कि आपको इमली के पानी के सिर्फ गरारे करने से इसे पीना नहीं है।

हल्दी और दूध

रात को सोने से पहले 1 गिलास गर्म दूध में 1 टीस्पून हल्दी और चुटकी भर काली मिर्च डालकर पीएं। इससे गले की सूजन ठीक हो जाएगी।

लहसुन

लहसुन के कुदरती एंटीसैप्टिक के गुण होते हैं जो इंफेक्शन से बचाव करने का काम करते हैं। लहसुन की एक कली को मुंह में रखकर चूसे। इसका रस गले में जाने से आराम मिलेगा।

सौंफ

खाना खाने के बाद सौंफ जरूर चबाएं, इससे खराश ठीक होगी और बंद गला खुल जाएगा।

भाप लेना

गले में भारीपन या दर्द महसूस होने पर तुरंत ही भाप लें। किसी बर्तन में पानी गर्म करके तौलिए से मुंह ढककर भाप लें। ऐसा करने से गले के दर्द से राहत मिलेगी।

मसाला चाय

सर्दियों में कोल्ड कफ होना आम है। इससे बचने के लिए लौंग, अदरक, तुलसी और काली मिर्च को पानी में डालें और उबाल लें। इस पानी की चाय बनाकर सेवन करें।

कुछ चीजों से रखें परहेज

गले की परेशानी से जल्दी राहत पाना चाहते हैं तो कुछ चीजों से परहेज जरूर करें। जैसे तली-भूनी, बासी, दही, ठंडी चीजों से परहेज करें क्योंकि यह चीजें इंफेक्शन को बढ़ा देते हैं।

आक के पौधे से करें इन 6 बड़ी-बड़ी बीमारियों का जड़ से इलाज

औषधिय गुणों से भरपूर आक के पौधे का इस्तेमाल पूजा के लिए किया जाता है। पूजा के लिए इस्तेमाल होने वाला यह पौधा सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके फूल-पत्तियों का इस्तेमाल अस्थमा, डायबिटीज, कुष्ठ रोग और बवासीर जैसी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। मदार, अर्क या अकोवा के नाम से पहचाने जाने वाले इस पौधे से और भी स्किन में एलर्जी या खुजली जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। विषैला होने के बावजूद भी इस पौधे में कई औषधिय गुण पाएं जाते हैं। तो आइए जानते है किस तरह इस पौधे के फूल, पत्ते का इस्तेमाल से बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है।

1. अस्थमा

इसके फूलों को सूखा कर रोजाना इसका चूर्ण खाने से अस्थमा, फेफडों के रोग और शरीर की कमजोरी दूर हो जाती है।

2. खुजली

स्किन में एलर्जी या रूखेपन के कारण खुजली की समस्या हो जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए इसकी जड़ को जला लें। इसकी राख को कड़वे तेल में मिलाकर खुजली वाली जगहें पर लगाएं। खुजली की परेशानी दूर हो जाएगी।

3. डायबिटीज

रोजाना सुबह इस पौधे की पत्तियों को पैर के नीचे रख कर जुराबें डाल लें। रात को सोने से पहले इस पत्ते को निकाल दें। इसका इस्तेमाल शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है।

4. कुष्ठ रोग

इसकी पत्तियों को पीस कर सरसों के तेल में मिक्स करें। इसे कुष्ठ रोग के घाव पर लगाएं। इसे नियमित रूप से लगाने पर घाव जल्दी भर जाएंगे।

5. बवासीर

आक का पत्ता और डण्ठल को पानी में भिगो दें। इसे पीने से बवासीर की समस्या हमेशा के लिए दूर हो जाएगी।

6. चोट लगना

शरीर के किसी भी हिस्से में चोट लगने पर आक के पत्तों को गर्म करके बांध लें। इससे चोट से खून बहना बंद होने के साथ-साथ दर्द और सूजन भी दूर हो जाएगी।

एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर ये चीजें, जरूर करें इनका सेवन

स्वस्थ रहने और बीमारीयों से दूर रहने के लिए इम्यून सिस्टम का ठीक होना बहुत जरूरी है। इम्यून सिस्टम के कमजोर होने पर कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर भोजन का सेवन शरीर इम्यून सिस्टम को बढ़ाने का काम करता है। एंटीऑक्सीडेंट ऐसा तत्व हैं, जो शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर आपको स्वस्थ रखने में मदद करता है। एंटीऑक्सीडेंट भोजन का सेवन करने से कैंसर, दिल के रोग, स्ट्रोक और बुढ़ापे की बीमारियां दूर होने के साथ-साथ शरीर में कई पोषक तत्वों की कमी को भी पूरी होती है। इसलिए बहुत जरूरी है कि शरीर में कभी भी एंटीऑक्सीडेंट की कमी न हों। शरीर में एंटीऑक्सीडेंट होने पर आप डाइट में कुछ चीजें शामिल करके इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं।

1. लहसुन

लहसुन में सबसे अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट के गुण पाएं जाते है। भोजन में इसका इस्तेमाल या रोजाना 2-3 कच्चे लहसुन को शहद के साथ खाने से हृदय रोग और कैंसर से लड़ने में मदद मिलती है।

2. टमाटर

खाना बनाने के लिए हर कोई टमाटर का इस्तेमाल तो करता ही हैं। लेकिन ग्लूटाथियोन और एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरूपर रोज 1-2 कच्चे टमाटर का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है।

3. लौंग

रोजाना 5-6 भूनी हुई लौंग का सेवन पेट से जुड़ी परेशानियां जैसे गैस, एसिडिटी, कीड़ें, कब्ज और पेट दर्द जैसी समस्याओं को दूर करता है।

"मजदूरी और फकीरी मनुष्य के विकास के लिए परमावश्यक है।"

अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस

पर विश्व के विकास में योगदान के लिए मजदूरों शक्ति को नमन

महाराष्ट्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

दिलशाद एस. खान

संपादक - दै. मुंबई हलचल

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र अध्यक्ष व प्रभारी (एबीपीएसएस)